**भारत सरकार**
**विदेश मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या– 394**
**दिनांक 28.11.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**कनाडा के साथ भारत के संबंध**

**394. श्री अब्दुल वहाबः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि विगत में कनाडा के साथ भारत के संबध खराब हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या संबंधों में इस गतिरोध अथवा तनाव का प्रभाव कनाडा में रहने वाले, कार्य कर रहे और अध्ययन कर रहे भारतीयों पर पड़ेगा; और

(घ) सरकार द्वारा कनाडा के साथ संबंधों में सुधार करने और कनाडा में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

**उत्तर**
**विदेश राज्य मंत्री**
**(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)**

(क) से (घ) कनाडा के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण रहे हैं और आज भी हैं क्योंकि कनाडा सरकार द्वारा मुख्यतः ऐसे चरमपंथी एवं अलगाववादी तत्वों और ऐसे व्यक्तियों को राजनीतिक आश्रय प्रदान किया जाता है जो भारत विरोधी एजेंडे का समर्थन करते हैं और भारत की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डालने वाली हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कनाडा की स्वतंत्रता का दुरुपयोग करते रहे हैं।

एक–दूसरे की चिंताओं, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किसी भी स्थिर द्विपक्षीय संबंध के लिए आवश्यक शर्तें हैं। इस संबंध में, भारत सरकार ने कनाडा सरकार से बार–बार आग्रह किया है कि वह अपने कार्यों के लिए उनकी भूमि का उपयोग कर रहे सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करे। इसमें हमारे नेताओं की हत्या का महिमामंडन करने, हमारे वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व और राजनयिकों को धमकियाँ देने, पूजा स्थलों का अनादर और वहाँ तोड़फोड़ करने, और तथाकथित "जनमत संग्रह" आयोजित करके भारत के विखंडन का समर्थन करने से अलगाववादी और चरमपंथी तत्वों को रोकना शामिल है।

कनाडा में रहने, काम करने और पढ़ाई करने वाले भारतीय नागरिकों का कल्याण, सुरक्षा और संरक्षा भारत सरकार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कनाडा में भारतीय नागरिकों के सामने आने वाली समस्याओं को तुरंत कनाडा के अधिकारियों के ध्यान में लाया जाता है, ताकि उनका त्वरित समाधान किया जा सके।

*****